नीट पेपर लीक के विरोध में प्रदर्शन के दौरान दिग्विजय सिंह गिरफ्तार

विशेष संवाददाता

भोपाल, 30 मई. नीट परीक्षा में कथित पेपर लीक और अनियमितताओं के विरोध में शनिवार को राजधानी भोपाल में भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) द्वारा किए गए प्रदर्शन के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह सहित कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेताओं को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया. गिरफ्तारी के बाद राजनीतिक माहौल और अधिक गरमा गया तथा प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच टकराव की स्थिति बन गई.

एनएसयूआई के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदेश कांग्रेस कार्यालय से मुख्यमंत्री निवास के घेराव के लिए मार्च निकाला. प्रदर्शनकारियों का आरोप था कि नीट परीक्षा में गंभीर अनियमितताएं हुई हैं और मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए. हालांकि, पुलिस ने रेडक्रॉस चौराहे पर बैरिकेडिंग कर

जुलूस को आगे बढ़ने से रोक दिया. स्थिति उस समय तनावपूर्ण हो गई जब एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ और प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार सहित कुछ कार्यकर्ता बैरिकेडिंग पर चढ़ गए और आगे बढ़ने का प्रयास करने लगे. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने पांच बार वाटर कैनन का उपयोग किया, लेकिन प्रदर्शनकारी पीछे हटने को तैयार नहीं हुए.

इस बीच, रातीबड़ थाने में हिरासत के दौरान दिग्विजय सिंह और अन्य नेताओं ने शांतिपूर्ण विरोध जारी रखा. उन्होंने 'रघुपति राघव राजा राम' भजन गाकर अपनी गिरफ्तारी और पुलिस कार्रवाई के खिलाफ प्रतीकात्मक विरोध दर्ज कराया.

> पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दिग्विजय सिंह सहित कई वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं को हिरासत में ले लिया. गिरफ्तार नेताओं में पूर्व मंत्री पी.सी. शर्मा, पूर्व मंत्री राजकुमार पटेल, सिलवानी विधायक एवं रायसेन जिला कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र पटेल, पूर्व विधायक शैलेंद्र पटेल तथा विदिशा जिला कांग्रेस अध्यक्ष मोहित रघुवंशी भी शामिल हैं. सभी को बस के माध्यम से रातीबड़ थाना ले जाया गया. दिग्विजय सिंह की गिरफ्तारी की खबर फैलते ही कांग्रेस और एनएसयूआई कार्यकर्ताओं में आक्रोश बढ़ गया. प्रदर्शन और उग्र हो गया तथा पुलिस के साथ झड़प की स्थिति निर्मित हो गई. कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि पुलिस लाठीचार्ज में प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार सहित कई कार्यकर्ता घायल हो गए. घायलों को उपचार के लिए सिद्धांता अस्पताल में भर्ती कराया गया है.

90 हजार छात्रों ने की ऑनलाइन काउंसलिंग

दूसरे दौर के लिए 3 जून तक रजिस्ट्रेशन का मौका

07 जून को जारी होगी चयनित विद्यार्थियों की सूची

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 30 मई. प्रदेश के सरकारी और निजी कॉलेजों में उच्च शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित ऑनलाइन काउंसलिंग के पहले चरण की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है.

वहीं आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार पहले चरण की अंतिम तारीख 26 मई तक प्रदेश भर के कॉलेजों में कुल 90 हजार 590 विद्यार्थियों ने दाखिला ले लिया है. इसमें स्नातक पाठ्यक्रमों में कुल 73 हजार 990 छात्रों ने और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में 17 हजार 592 उम्मीदवारों ने सरकारी और निजी कॉलेजों में अपनी सीटें पक्की की हैं. वहीं केंद्रीयकृत ऑनलाइन काउंसलिंग के इस पहले दौर में विभाग द्वारा सरकारी और निजी संस्थानों को मिलाकर कुल 1 लाख 32 हजार 190 छात्रों को कॉलेज आवंटित किए गए थे. जिसमें स्नातक स्तर पर 1 लाख 7 हजार 75 और परास्नातक स्तर पर 25 हजार 123 छात्र शामिल थे.

पहले चरण की ऑनलाइन प्रवेश काउंसलिंग समाप्त होने के बाद उच्च शिक्षा विभाग ने अब दूसरे दौर की काउंसलिंग के लिए रजिस्ट्रेशन विंडो खोल दी है. जिसके लिये छात्र 3 जून तक नए सिरे से पंजीकरण कराने और अपनी चॉइस फिलिंग में बदलाव कर सकते हैं. बता दें दूसरे चरण की अलॉटमेंट लिस्ट 7 जून को जारी की जाएगी. जिसमें चुने गए उम्मीदवारों को 13 जून से पहले फीस जमा कर अपना दाखिला कन्फर्म करना होगा.

> **विषय बदलने के लिए देने होंगे इंटरव्यू**
>
> उच्च शिक्षा विभाग ने पहले और दूसरे चरण के बाद तीसरे चरण की प्रवेश प्रक्रिया की घोषणा भी कर दी है. जो कॉलेज लेवल काउंसलिंग यानी सीएलसी राउंड के जरिए होगी. बता दें सीएलसी के लिए रजिस्ट्रेशन 8 जून से शुरू होकर 19 जून तक चलेंगे. इसके बाद कॉलेज 23 जून को अपनी मेरिट लिस्ट जारी करेंगे. जिसमें चयनित छात्रों को 30 जून तक फीस जमा करनी होगी. इसके अलावा जो छात्र यूजी और पीजी पाठ्यक्रमों में अपने विषयों को बदलना चाहते हैं, वे अपने संबंधित जिलों के निर्धारित लीड कॉलेजों में एक छोटे से इंटरव्यू में शामिल होकर पात्रता प्रमाण पत्र प्राप्त कर सकते हैं.

सीएम ने पुष्पराजगढ़ में हुई सड़क दुर्घटना पर जताया दु:ख

भोपाल, 30 मई. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अनूपपुर जिले में पुष्पराजगढ़ के ग्राम बिजौरा में श्रद्धालुओं को लेकर मंदिर जा रही ट्रैक्टर-ट्रॉली के पलटने से हुई सड़क दुर्घटना पर दुख व्यक्त किया है. मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दुर्घटना में 6 लोगों के असामयिक निधन और कुछ लोगों के घायल होने का समाचार अत्यंत दुखद है. मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शोकाकुल परिजन के प्रति संवेदनाएं व्यक्त की हैं. मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राज्य शासन की ओर से मृतकों के परिजन को 4-4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने के निर्देश दिए हैं. दुर्घटना में घायलों का उपचार जारी है.

1.18 करोड़ मूल्य की अवैध शराब नष्ट की

आलीराजपुर,30 मई. जिले में अवैध शराब के कारोबार पर प्रभावी नियंत्रण और कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने की दिशा में आलीराजपुर पुलिस एवं आबकारी विभाग ने संयुक्त रूप से बड़ी कार्रवाई करते हुए 1.18 करोड़ से अधिक मूल्य की जब्तशुदा अवैध शराब का विधिवत विनष्टीकरण किया। यह कार्रवाई माननीय न्यायालय से निराकृत प्रकरणों के तहत की गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले के विभिन्न थानों के मालखानों में रखी जब्तशुदा शराब के सुरक्षित एवं विधिसम्मत निस्तारण के लिए कार्यालय कलेक्टर (आबकारी), जिला आलीराजपुर द्वारा एक विशेष संयुक्त समिति का गठन किया गया था। समिति में अपर कलेक्टर, जिला आबकारी अधिकारी, संबंधित अनुविभागीय अधिकारी पुलिस (एसडीओपी) तथा थाना प्रभारियों को शामिल किया गया था.

एक नजर में

युवक पर पिस्टल से फायरिंग पेट में लगी गोली

जबलपुर. पाटन थाना अंतर्गत ग्राम खमदेही में पुरानी रंजिश के चलते आरोपी ने युवक की हत्या करने की नीयत से तीन राउंड फायर किए, जिसमें से एक गोली युवक के पेट में जा लगी। घायल को गंभीर हालत में शासकीय अस्पताल पाटन में भर्ती कराया गया है, जहाँ उसका इलाज जारी है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, ग्राम खमदेही निवासी देवेन्द्र रैकवार (31) का करीब 6 महीने पहले गांव के ही छोटेलाल चौधरी से किसी बात पर विवाद हुआ था. छोटेलाल गांव के रामनारायण पटेल के यहाँ काम करता था।

मकान की खुदाई में मिला 12 किलो का जिंदा बम

जबलपुर. डुमना एयरपोर्ट के नजदीक गदेरी में एक निर्माणाधीन मकान में खुदाई के दौरान 12 किलोग्राम वजनी का जिंदा विशाल सैन्य बम मिलने से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। बम मिलने की सूचना मिलते ही पुलिस और बम निरोधक दस्ता तुरंत मौके पर पहुंचे और मोर्चा संभाला। खमरिया थाना प्रभारी राजकुमार खटीक ने बताया कि डुमना एयरपोर्ट के पास स्थित ग्राम गदेरी में सुनील यादव के एक प्लॉट पर मकान निर्माण का कार्य चल रहा था। नींव के लिए जब मजदूर जमीन की खुदाई कर रहे थे, तभी अचानक मिट्टी के नीचे एक भारी और संदिग्ध धातु की वस्तु दिखाई दी। पास जाकर देखने पर पता चला कि वह एक विशाल सैन्य बम है। मौके पर पहुंची बम स्क्वॉड की टीम ने जांच के बाद पुष्टि की कि यह एक यूएक्सओ जिंदा बम है।

गांधी हॉल में विशेष प्रदर्शनी का शुभारंभ

इंदौर. लोकमाता माँ अहिल्याबाई होलकर उत्सव 2026 के अंतर्गत गांधी हॉल में आयोजित विशेष प्रदर्शनी का शुभारंभ भाजपा प्रदेश प्रभारी महेंद्र सिंह, भाजपा इंदौर संभाग प्रभारी रणवीर सिंह रावत, महापौर पुष्यमित्र भार्गव की गरिमामयी उपस्थिति में किया गया इस अवसर पर आयोजित हमारा इंदौर फोटोग्राफी प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता में कुलदीप केलवा ने प्रथम, सुश्री राशि जैन ने द्वितीय तथा अंशुल वर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। अतिथियों ने सभी विजेताओं एवं प्रतिभागियों को बधाई देते हुए उनके रचनात्मक योगदान की सराहना की.

दोस्ती कर लो...वाले आरोप से गरमाई राजनीति

- शिकायत के बाद महिला का यू-टर्न
- थाने पहुंचा मामला, जांच में आया नया ट्विस्ट

नव भारत न्यूज

इंदौर, 30 मई. एरोड्रम थाना क्षेत्र में सत्ताधारी दल से जुड़े एक पार्षदपति पर महिला से अभद्रता और अनुचित दबाव बनाने का सनसनीखेज मामला सामने आया, जिसने शहर की राजनीति में हलचल मचा दी.

महिला ने आरोप लगाया कि पानी का टैंकर मंगाने के लिए फोन करने पर पार्षदपति उसके घर पहुंचे और कथित तौर पर दोस्ती का प्रस्ताव रख दिया. हालांकि, पुलिस जांच के बाद मामला पलट गया और शिकायत बंद कर दी गई.

> **पीड़िता के बयान से पूरी तरह बदला मामला**
>
> महिला अधिकारियों की मौजूदगी में जब पीड़िता के विस्तृत बयान दर्ज किए, तो मामला पूरी तरह बदल गया. महिला ने अपने अंतिम बयान में कहा कि पार्षदपति के अचानक घर आने से वह नाराज हो गई थी और इसी गुस्से में उसने शिकायत की थी. एडिशनल डीसीपी प्रियंका डुडवे का कहना है कि महिला के लिखित बयानों के आधार पर कोई आपराधिक मामला दर्ज नहीं किया है और जांच बंद कर दी गई है.

जानकारी के मुताबिक, क्षेत्र में पानी की किल्लत के चलते महिला ने पार्षदपति को फोन कर टैंकर भेजने की मांग की थी. आरोप है कि इसके बाद पार्षदपति खुद महिला के घर पहुंच गए. घर में पानी पीने के बाद उन्होंने महिला के सामने दोस्ती करने की बात कही, जिस पर महिला ने नाराजगी जताई और घर में विवाद की स्थिति बन गई. इसके बाद महिला अपने पति के साथ एरोड्रम थाने पहुंची और शिकायत दर्ज कराई. मामले की जानकारी लगते ही राजनीतिक हलकों में हड़कंप मच गया. सूत्रों के अनुसार, शिकायत की भनक लगते ही समझौते और राजीनामे के लिए दबाव बनाने की कोशिशें भी शुरू हो गईं. इस बीच मामला सोशल मीडिया पर वायरल हो गया और चर्चाओं का केंद्र बन गया. संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस ने महिला की शिकायत पर तुरंत जांच शुरू की.

गांधीसागर बैकवाटर में नहाते समय पिता-पुत्र डूबे

नीमच, 30 मई. जिले के कुकड़ेश्वर थाना क्षेत्र के ग्राम सेमली आत्री में शुक्रवार शाम गांधीसागर बांध के बैकवाटर में नहाने के दौरान पिता और पुत्र की डूबने से मौत हो गई. पहले बेटा पानी में डूबने लगा, उसे बचाने के प्रयास में पिता भी गहरे पानी में चले गए और दोनों लापता हो गए. जानकारी के अनुसार, 40 वर्षीय दशरथ सिंह राजपूत अपने 20 वर्षीय पुत्र पवन सिंह के साथ खेत से लौट रहे थे। इसी दौरान दोनों गांव के पास स्थित बैकवाटर में नहाने लगे. नहाते समय पवन सिंह अचानक गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा. उसे बचाने के लिए पिता ने पानी में छलांग लगाई, लेकिन दोनों ही वापस नहीं निकल सके.

निर्माणाधीन कार्यों में हो गुणवत्ता : शुक्ल

भोपाल 30 मई. उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने रीवा शहर में विभिन्न निमार्णाधीन कार्यों का निरीक्षण किया. उप मुख्यमंत्री ने निर्माणाधीन मातृ-शिशु अस्पताल तथा पीजी हॉस्टल, पीईटी स्कैन सेंटर एवं कैंसर अस्पताल का निरीक्षण किया.

निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण कार्यों की प्रगति एवं गुणवत्ता का अवलोकन कर संबंधित अधिकारियों एवं कार्यदायी संस्थाओं को निर्धारित समय-सीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए, ताकि क्षेत्रवासियों को बेहतर एवं आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हो सके.

इसके बाद उप मुख्यमंत्री ने निर्माणाधीन नैकहाई शौर्य स्मारक का निरीक्षण कर कार्यों की समीक्षा की तथा स्मारक के निर्माण को निर्धारित मानकों एवं समय-सीमा के अनुरूप पूर्ण करने हेतु आवश्यक निर्देश दिए।

उप मुख्यमंत्री ने निर्माणाधीन कुठुलिया-रौसर सड़क का भी निरीक्षण किया और कार्य की प्रगति देखी। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि इस सड़क के बन जाने से आमजन को बेहतर एवं सुगम आवागमन की सुविधा उपलब्ध होगी। उप मुख्यमंत्री ने अमहिया रीवा स्थित निवास पर जनता दर्शन कार्यक्रम में आमजनों की अपेक्षाओं एवं समस्याओं पर सुनवाई करते हुए यथोचित कार्यवाही के लिए सम्बन्धित स्टाफ को निर्देशित किया.

जीजा ने साले पर कुल्हाड़ी से किया जानलेवा हमला

पति-पत्नी के विवाद में बीच बचाव करने पहुंचा था भाई

नवभारत न्यूज

रीवा, 30 मई. रीवा शहर में पति-पत्नी के बीच हुये विवाद में जीजा ने अपने ही साले पर कुल्हाड़ी से जानलेवा हमला कर दिया. घटना शहर के बिछिया थाना क्षेत्र बदरांव स्थित कहारन टोला की है, जहां आज सुबह एक दूसरे से अलग रहने वाले पति पत्नी के बीच हो रहे विवाद में बहन को बचाने पहुंचे भाई पर जीजा नें कुल्हाड़ी से हमला कर दिया.

फिलहाल हमले में युवक के सिर और पेट में गंभीर चोटे आई है, जिसे उपचार के लिये संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है. घटना के संबंध में घायल आशीस सोंधिया की बहन काजल सोंधिया नें जानकारी देते हुये बताया कि उसका विवाह साल 2017 में राम सरोज सोंधिया के साथ हुआ था. लेकिन पति की प्रताडना से तंग आकर वह पति से अलग रहने लगी फिर भी पति उसका पीछा नहीं छोड रहा था. पीडिता के मुताबिक आज सुबह पति नें उसे मिलने बुलाया और जब वह अपने भाई के साथ पहुंची तो उसने मारपीट शुरु कर दी.

> पीडिता के मुताबिक जब पति उसके साथ मारपीट कर रहा था तभी वहां मौजूद भाई नें बीच बचाव किया, जिस दौरान पति नें उसके भाई पर ही कुल्हाडी से हमलाकर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया. पीडिता का आरोप है कि उसने बिछिया थाने में पति के खिलाफ पूर्व में ही शिकायत दर्ज कराई थी, लेकिन पुलिस नें कोई कार्यवाही नहीं की जिसका नतीजा है कि आज उसका भाई जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रहा है. फिलहाल घायल को उपचार के लिये संजय गांधी अस्पताल लाया गया है, जहा उसका इलाज चल रहा है.

केंद्र की उपलब्धियां जन-जन तक पहुंचाएं

खरगोन, 30 मई. भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह ने शनिवार को खरगोन जिले के बड़वाह में जिला पदाधिकारियों, मंडल अध्यक्षों और प्रमुख कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित किया. बैठक में 5 जून से 21 जून तक केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा पर चर्चा की गई.

डॉ. महेन्द्र सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के 12 स्वर्णिम वर्ष पूरे किए हैं. इन वर्षों में देश ने विकास, आत्मनिर्भरता, राष्ट्रीय सुरक्षा, आधारभूत संरचना और जनकल्याण के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं. उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे इन उपलब्धियों को घर-घर तक पहुंचाएं और जनता को सरकार की योजनाओं एवं कार्यों से अवगत कराएं. उन्होंने कहा कि भाजपा केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का सशक्त संगठन है, जिसकी ताकत उसके समर्पित कार्यकर्ताओं में निहित है. आगामी जनसंपर्क, जनजागरण और संगठनात्मक कार्यक्रमों के माध्यम से केंद्र सरकार की योजनाओं और नीतियों को समाज के हर वर्ग तक पहुंचाया जाएगा.

> **तैयारियों और अभियान की रणनीति पर विस्तार से हुई चर्चा**
>
> प्रदेश प्रभारी ने प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत, उज्ज्वला योजना, हर घर जल, किसान सम्मान निधि, डिजिटल इंडिया और महिला सशक्तिकरण जैसी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि इनसे करोड़ों लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है. उन्होंने कार्यकर्ताओं से लाभार्थियों से संपर्क कर योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाने का आग्रह किया. बैठक में संगठनात्मक गतिविधियों, आगामी कार्यक्रमों की तैयारियों और अभियान की रणनीति पर विस्तार से चर्चा हुई. इस दौरान प्रदेश मंत्री एवं जिला प्रभारी संगीता सोनी, जिला अध्यक्ष नंदा ब्राह्मणे, विधायक राजकुमार मेव, सचिन बिरला सहित जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे.

छह गोदामों में लगी आग

2 लाख लीटर पानी और कड़ी मशक्कत से पाया काबू

इंदौर, 30 मई. एमआईजी लिंक रोड पर बीती रात उस वक्त हड़कंप मच गया, जब वहां कतार से बने करीब छह व्यावसायिक गोदामों में अचानक भीषण आग लग गई. देखते ही देखते लपटों ने टेंट हाउस, टायर और प्लाइवुड के कारखानों को अपनी चपेट में ले लिया. आसमान में उठते धुएं के गुबार और आग की भयावहता को देखकर पास ही स्थित रिहायशी बस्ती के लोग दहशत में आ गए.

सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड और एमआईजी थाने का गश्ती दल मौके पर पहुंचा. दमकल कर्मियों ने सूझबूझ दिखाते हुए सबसे पहले आग को बस्ती की तरफ बढ़ने से रोका और करीब सा? चार घंटे के रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद हालात पर काबू पाया. राहत की बात यह रही कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन लाखों रुपये का सामान जलकर खाक हो गया. फायर ब्रिगेड को बीती रात करीब तीन बजे लिंक रोड पर स्थित गोदामों में आग लगने की पहली सूचना मिली थी. गांधी हॉल फायर स्टेशन से एएसआई सुशील कुमार दुबे के नेतृत्व में त्वरित कार्रवाई बल को मौके के लिए रवाना किया गया. चूंकि आग टेंट के सामान, सोफे के फोम और टायरों में लगी थी, इसलिए लपटें तेजी से फैलती गईं.

आग बुझाने के लिए दमकल विभाग को 3 मुख्य गाड़ियों के साथ ही 6 पानी के टैंकरों को मोर्चे पर लगाना पड़ा. करीब 2 लाख लीटर से अधिक पानी की बौछारें करने के बाद सुबह पौने 8 बजे तक आग को पूरी तरह से शांत किया जा सका. प्राथमिक तौर पर अंदेशा जताया जा रहा है कि बिजली के खंभे या तारों में हुए शॉर्ट सर्किट की वजह से यह हादसा हुआ है, हालांकि पुलिस मामले की बारीकी से जांच कर रही है.

> फायर ब्रिगेड से मिली जानकारी के अनुसार, जिस जमीन पर ये गोदाम और कारखाने संचालित हो रहे थे, उसके मालिक शब्बीर भाई हैं, जिन्होंने इसे अलग-अलग व्यापारियों को किराए पर दे रखा था. इस अग्निकांड में राहुल भंडारी के टेंट हाउस का पूरा सामान, मेहमूद के नए और पुराने टायरों का गोदाम, इरफान अली का सोफा बनाने का कारखाना और प्रशांत का प्लाइवुड का कीमती स्टॉक पूरी तरह जलकर स्वाहा हो गया.जिस जगह यह आग भड़की, उससे बिल्कुल सटकर एक घनी बस्ती बसी हुई है. आधी रात को जब लोगों ने खिड़कियों से आग की ऊंची लपटें देखीं, तो इलाके में चीख-पुकार मच गई और लोग घरों से बाहर निकल आए. एएसआई दुबे के मुताबिक, टीम के सामने सबसे बड़ी चुनौती आग को इस रिहायशी इलाके में घुसने से रोकने की थी. दमकल कर्मियों ने मोर्चा संभालकर सबसे पहले कट-ऑफ पॉइंट बनाया, जिससे आग बस्ती की तरफ नहीं फैल पाई और एक बड़ा हादसा टल गया.

स्वच्छ सर्वेक्षण | मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर प्रदेशवासियों का किया अभिनंदन

सिटीजन फीडबैक में मप्र देश में पहले नंबर पर

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल, 30 मई. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वच्छ भारत के संकल्प को धरातल पर अक्षरशः चरितार्थ करने तथा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मप्र ने स्वच्छता के क्षेत्र में पुनः एक स्वर्णिम अध्याय लिखा है.

स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के तहत संचालित देशव्यापी सिटीजन फीडबैक अभियान में, वर्ष 2011 की जनगणना के मानदंडों के आधार पर, मप्र समस्त राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों में देश में प्रथम स्थान पर रहा है. प्रदेश के 35.69 लाख से अधिक जागरूक नागरिकों ने ऑनलाइन माध्यमों से अपनी सहभागिता दर्ज कराकर न केवल स्वच्छता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दर्शाई है, अपितु यह भी सिद्ध कर दिया है कि डिजिटल इंडिया के युग में मध्यप्रदेश के नागरिक तकनीकी रूप से आगे हैं.

नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर प्रदेशवासियों और अथक परिश्रमी सफाई मित्रों का अभिनंदन किया है. उन्होंने कहा कि नागरिकों की अटूट जागरूकता और विभागीय अमले की कर्तव्यनिष्ठता के समन्वय से ही प्रदेश स्वच्छता के उच्च शिखर पर निरंतर गतिमान है. राज्य स्तर पर स्वच्छ भारत मिशन शहरी 2.0 की टीम द्वारा इस वर्ष एक अनूठी 360 डिग्री रणनीति का क्रियान्वयन किया गया.

इस समेकित कार्ययोजना के तहत सभी नगरीय निकायों के सोशल मीडिया हैंडल्स के माध्यम से 60 लाख से अधिक जनमानस तक पहुंच स्थापित की गई. इसके अतिरिक्त पारंपरिक और आधुनिक संचार माध्यमों जैसे कचरा संग्रहण वाहनों, समाचार पत्रों, रेडियो, दूरदर्शन के ऑडियो-वीडियो संदेशों तथा घर-घर जाकर चलाए गए सघन जन-जागरूकता अभियानों से समाज के हर वर्ग को इस पुनीत कार्य से जोड़ा गया.

> डिजिटल सहभागिता को सुगम और व्यापक बनाने के उद्देश्य से राज्य स्तर से एक करोड़ से अधिक लक्षित एसएमएस प्रेषित किए गए. इसके साथ ही, आधुनिक युग के प्रभावशाली संचारकों—सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स—का भी सहयोग लिया गया, जिससे युवाओं में अभूतपूर्व उत्साह का संचार हुआ. इस व्यापक और भगीरथ प्रयास का परिणाम धरातल पर स्पष्ट दिखाई दे रहा है. विशेष रूप से प्रदेश की राजधानी भोपाल के नागरिकों में इस वर्ष अपूर्व उत्साह देखा गया है. जहां गत वर्ष भोपाल में मात्र 5.13 हजार नागरिकों ने अपना फीडबैक दिया था, वहीं इस वर्ष यह आंकड़ा 3.86 लाख को पार कर गया है. विभागीय अधिकारियों के अनुसार, स्वच्छ भारत मिशन की टीमें पूरी सक्रियता से धरातल पर कार्य कर रही हैं जिससे इस गति को और अधिक तीव्र किया जा सके और प्रदेश स्वच्छता के पायदान पर शीर्ष पर बना रहे.